चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय

अप्रैल–जून, 2023

न्यूज़लेटर

25वां दीक्षांत समारोह आयोजित, राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु ने दिया दीक्षांत संभाषण
865 स्नातकों को प्रदान की गई डिग्रियां, स्वर्ण पदक

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के 25वें दीक्षांत समारोह का भव्य आयोजन इंदिरा गांधी सभागार में किया गया, जिसमें भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मु मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रही और दीक्षांत संभाषण दिया। दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता हरियाणा के माननीय राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री बंडारू दत्तात्रेय ने की। अति विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल जबकि कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री जेपी दलाल विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। दीक्षांत समारोह में 1 अगस्त, 2021 से 30 सितम्बर, 2022 के दौरान डिग्री पाठ्यक्रम पूरा कर चुके 865 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गई।

हकृवि का कृषि शिक्षा, अनुसंधान और विस्तार में महत्वपूर्ण योगदानः राष्ट्रपति

राष्ट्रपति ने दीक्षांत संभाषण में कहा कि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय अपनी स्थापना के बाद से ही कृषि शिक्षा, अनुसंधान और विस्तार में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। यदि आज हरियाणा केंद्रीय खाद्यान्न भंडार में दूसरा सबसे बड़ा योगदानकर्ता है, तो इसका श्रेय केन्द्र और राज्य सरकारों की किसान हितैषी नीतियों, एचएयू की

तकनीकी पहल और इस राज्य के किसानों की नवीनतम कृषि तकनीक अपनाने की इच्छा को जाता है। उन्होंने कहा कि वह स्वयं किसान की बेटी है। इसलिए वह कृषि से जुड़े विषयों, नई तकनीकों व नवाचारों में बहुत रूची रखती है। उन्होंने कहा आज कृषि के समक्ष बढ़ती जनसंख्या, घटती कृषि भूमि, गिरता भूजल स्तर, घटती मिट्टी की उर्वरता और जलवायु परिवर्तन जैसी कई समस्याएं हैं जिनका कृषि विशेषज्ञों को समाधान ढूंढना होगा। उन्हें पर्यावरण और जैव विविधता को कम से कम नुकसान पहुंचाते हुए हमारी विशाल आबादी को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के तरीके खोजने होंगे। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह में उपाधियां प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिए यह बेहतर अवसर है कि वे अपने ज्ञान व कौशल से किसानों की मदद कर कृषि क्षेत्र को नए आयाम दें ताकि किसान की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हो सके।

कृषि को लाभदायक बनाने में प्रौद्योगिकी अहम

राष्ट्रपति ने कहा कि खेती की लागत कम करने, उत्पादकता बढ़ाने, कृषि को पर्यावरण के अनुकूल और अधिक लाभदायक बनाने में प्रौद्योगिकी की महत्वपूर्ण भूमिका है। पानी कृषि का एक महत्वपूर्ण घटक है लेकिन यह सीमित मात्रा में उपलब्ध है। सिंचाई में तकनीक का अधिक से

जारी...

अंतर्वस्तु

दीक्षांत समारोह में 124 विद्यार्थियों को प्रदान किए स्वर्ण पदक	4
देश के कृषि शोध संस्थानों में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय टॉप 10 में	6
भारतीय संस्कृति व मानवीय प्रबंधन विषय पर संगोष्ठी आयोजित	6
सुप्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक डॉ. रामधन सिंह को किया याद	7
कृषि अधिकारी कार्यशाला की रिपोर्ट का हुआ विमोचन	7
शोधार्थियों ने नास रेटिंग की उच्चतम श्रेणी को पार किया	7
विश्वविद्यालय के वनस्पति उद्यान में नवग्रह वाटिका सीपित	8
हकृवि के 36 विद्यार्थियों को मिला प्लेसमेंट	8
डॉ. सुरेंद्र धनखड़ ने विश्व मौसम संगठन की कार्यशाला में एशिया महाद्वीप का प्रतिनिधित्व किया	9
विद्यार्थियों के दल ने हम्पटा पास में की ट्रेकिंग	9
'नई शिक्षा नीति भारत केंद्रित व कौशल विकास करने वाली'	9
हकृवि की 11 छात्राओं ने अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों में प्राप्त किया प्रशिक्षण	10
9वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर विश्वविद्यालय में भव्य कार्यक्रम का आयोजन	11
पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की 36वीं पुण्यतिथि पर दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि	11

संरक्षक

प्रो. बी.आर. काम्बोज
कुलपति

संपादक

डॉ. संदीप आर्य
मीडिया सलाहकार

मुख्य संपादक

डॉ. जीतराम शर्मा
अनुसंधान निदेशक

University Publication No.
CCSHAU/PUB#18-0026-2023-13-2

अधिक उपयोग होना चाहिए ताकि जल संसाधनों का दोहन कम से कम हो सके। उन्होंने कहा कि ऐसी प्रौद्योगिकी के विकास और प्रसार में एचएयू जैसे संस्थानों की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों को प्रयोगशाला के रूप में कार्य करना चाहिए जहां से ज्ञान फैलता है और पूरे समाज को लाभ मिलता है। उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि एचएयू किसानों के बीच फसल उत्पादन तकनीकों के प्रसार के लिए ठोस प्रयास कर रहा है। उन्होंने पंजाब, हरियाणा व दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण बारे में भी अपने विचार रखे और पराली प्रबंधन के लिए वैज्ञानिक विधियां अपनाने पर बल दिया।

कृषि क्षेत्र में स्टार्ट-अप के लिए अपार संभावनाएं

राष्ट्रपति ने कहा कि भारत एक स्टार्ट-अप हब के रूप में उभरा है। दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्ट-अप इकोसिस्टम भारत में है। कृषि क्षेत्र कई उद्योगों को कच्चे माल की आपूर्ति करता है। इसलिए यह क्षेत्र स्टार्ट-अप के लिए अपार संभावनाएं प्रदान करता हैं। उन्होंने कहा उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि एचएयू ने नवाचार, प्रौद्योगिकी उन्नयन और कौशल विकास के माध्यम से उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए एक इन्क्यूबेशन सेंटर की स्थापना की है। उन्होंने विश्वास जताया कि विद्यार्थी इस सकारात्मक माहौल का लाभ उठाएंगे और देश के विकास में योगदान देंगे।

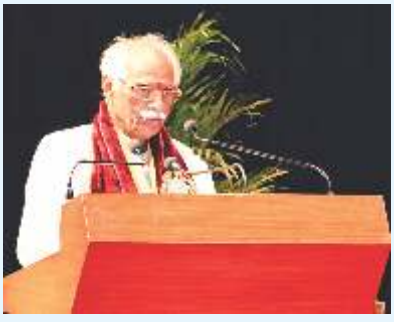

नए शोध व नवाचार जरूर पहुंचे किसानों तक: राज्यपाल

राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय ने उपाधियां प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में लड़कियों की संख्या लड़कों की तुलना में अधिक होने पर खुशी व्यक्त की और कहा कि यह देश के उत्थान के लिए बढ़िया संकेत है। उन्होंने अनुसंधान और विकास को देश की उन्नति का आधार बताया और नए शोध व नवाचारों को किसानों तक पहुंचाने के लिए विद्यार्थियों व शिक्षाविदों को प्रेरित किया। उन्होंने विश्वविद्यालय में एग्री-बिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर द्वारा 90 एग्री-एंटरप्रीयोर तैयार करने, कृषि विज्ञान केन्द्रों पर 7 सामुदायिक रेडियो स्टेशन व न्यूट्री-सीरियल रिसर्च स्टेशन, गोकलपुरा (भिवानी) स्थापित करने के लिए विश्वविद्यालय की प्रशंसा की।

किसानों की खुशहाली व समृद्धि के लिए हों प्रयास: मुख्यमंत्री

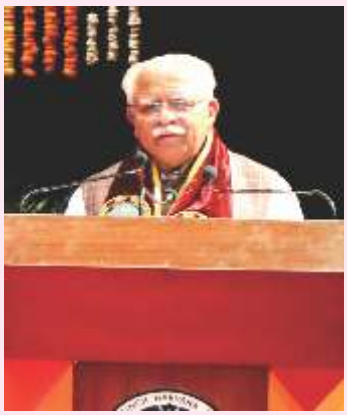

मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने सभी उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई दी और कहा कि शिक्षा प्राप्त करने के बाद अब उनका सेवा करने का समय है। इसलिए वे विश्वविद्यालय से सीखे हुए ज्ञान को किसानों की सेवा में लगाते हुए उनके जीवन में खुशहाली व समृद्धि लाने का प्रयास करें। उन्होंने बताया कि हरियाणा प्रदेश की स्थापना के समय राज्य का अन्न उत्पादन मात्र 26 लाख टन था जोकि अब बढ़कर 183 लाख टन हो गया है। हमारा देश खाद्यान्न उत्पादन में न केवल आत्मनिर्भर है बल्कि निर्यात भी कर रहा है। उन्होंने कृषि पैदावार व इसकी गुणवत्ता पर भी विशेष ध्यान देने और जलवायु परिवर्तन, घटते भू-जल स्तर जैसी चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए फसल किस्में विकसित करने पर बल दिया। उन्होंने कहा किसानों को अपनी आमदनी बढ़ाने के लिए फसल उत्पादन के साथ-साथ मधुमक्खी पालन, मशरूम उत्पादन, मछली पालन, फूलों की खेती, पशुपालन आदि को एकीकृत कृषि मॉडल के रूप में अपनाना होगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार ने किसानों की आय बढ़ाने के लिए विभिन्न प्रकार की योजनाएं चलाई हैं, जिनका उन्हे लाभ उठाना चाहिए।

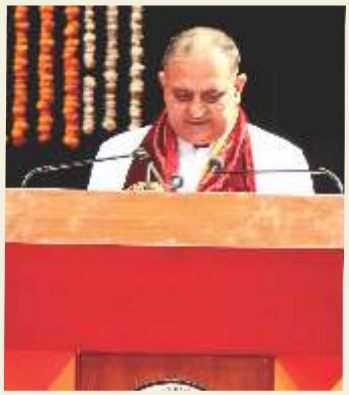

विद्यार्थियों के कौशल विकास पर विशेष ध्यान: कुलपति

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने विश्वविद्यालय की रिर्पोट प्रस्तुत की और इसकी विशिष्ट उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के ज्ञान व कौशल विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इस कड़ी में विश्वविद्यालय के 69 विद्यार्थियों को चेक रिपब्लिक व 10 विद्यार्थियों को आस्ट्रेलिया में कृषि की नवीनतम शोध तकनीके सीखने के लिए अवसर प्रदान किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में जैविक एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय में दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्ट केन्द्र स्थापित किया गया है। विश्वविद्यालय वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष के रूप में मना रहा है। विश्वविद्यालय ने बाजरा की एक व ज्वार की तीन उन्नत किस्में विकसित की हैं। बाजरे की विकसित की गई बायो-फोर्टिफाइड किस्म एचएचबी 299 लौह तत्व व जिंक से भरपूर है। दीक्षांत समारोह में 290 स्नातकों, 447 परास्नातकों एवं 128 डॉक्टरेट्स को उपाधियां प्रदान की गईं। इन उपाधि धारकों में 307 लड़के व 558 लड़कियां शामिल हैं।

दीक्षांत समारोह में 124 विद्यार्थियों को प्रदान किए गए स्वर्ण पदक

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के 25वें दीक्षांत समारोह में कुल 865 विद्यार्थियों ने उपाधियां प्राप्त की । इन विद्यार्थियों में लड़कों से लड़कियों की संख्या अधिक रही। लड़कों में 307 जबकि लड़कियों में 558 ने उपाधियां ग्रहण की। इसी प्रकार शिक्षा में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले 124 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। इनमें भी लड़कियां लड़कों से आगे रहीं क्योंकि 89 लड़कियों और 35 लड़कों ने स्वर्ण पदक प्राप्त किए। राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मु ने इस अवसर पर विद्यार्थियों को ए.एल. फ्लैचर गोल्ड मेडल प्रदान किए। स्वर्ण पदक विजेताओं का विवरण इस प्रकार है:

स्नातक स्तर पर प्रदान किए गए स्वर्ण पदक

एचएयू मेरिट गोल्ड मेडल (कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर): यमंक, कार्तिक, सिद्धांत चौधरी, सुशील कुमार, ईशा, भावना बबल, सोनिया, ज्योत्सना, अंजलि राणा, प्रगति वर्मा, प्रेरणा पिलानिया, शुभम ग्रोवर, प्रमोद व सुरभि। **एचएयू मेरिट गोल्ड मेडल (कॉलेज ऑफ कम्यूनिटी साइंस):** अमिता बैनिवाल, मनीषा, जसप्रीत कौर, सीमा, भूमिका दलाल, शालिनी रूखाया, ममता, सुरजीता कुमारी, यशवी, प्रियंका, भावना, मीनू, नैन्सी व शर्मिला। **एचएयू मेरिट गोल्ड मेडल (कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी):** शुभम सिंगल, अंकित कुमार व कृष्णा देवी। **ए.एल. फ्लैचर गोल्ड मेडल:** वेलनटिना सिंह, अनिल कुमार, विक्रम सिंह, प्रियंका, गायत्री चहल, ज्योत्सना व सिमरन। **इंटरनेशनल वुमन ईयर 1975 गोल्ड मेडल:** जसप्रीत कौर, गायत्री चहल, चंचल व पायल। **डॉ. पी.एस. लांबा गोल्ड मेडल:** ज्योत्सना, अंजलि राणा व प्रेरणा पिलानिया।

डॉक्ट्रेट उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को मिले गोल्ड मेडल

डॉ. वी.डी. कश्यप गोल्ड मेडल: महेश, कार्तिक रेड्डी पनयाम, अंकित कुमार, सोनम बिनजोला, हरदीप सिंह श्योराण, पंकज कुमार व ममता फोगाट। **सिल्वर जुबली गोल्ड मेडल फॉर वुमन:** पूनम रानी, अंजू खरब, दिव्या, शिखा मेहता, तन्वी, सुनीता श्योराण व धिनू यादव। **डॉ. आर.एन. पाल मेमोरियल गोल्ड मेडल:** कुमारा बी.एच., संतोष कुमार, चंदापा केदर, राकेश चौधरी, संदीप रावल, सुमित सैनी, सरिता रानी व अंकुश। **डॉ. सविता सिंगल गोल्ड मेडल:** पूनम रानी, आंचल जोहरी व कोमल। **प्रो. रतन लाल गोल्ड मेडल:** सुनीता श्योराण व ममता फोगाट।

स्नातकोत्तर स्तर पर इन विद्यार्थियों ने प्राप्त किए गोल्ड मेडल

डॉ. मिसेज सरोज कश्यप गोल्ड मेडलः मोना वर्मा, बबीता भंडारी, दीप्ती कोठारी, संगीता सिडोला, साक्षी बिष्ट, मनीषा ओहलां, एकता मलखानी। **डॉ. रामधन सिंह गोल्ड मेडलः** रीना रानी, अंकित कुमार, आशिमा बाथेजा, विजेता गुप्ता, सोनू, भास्कर रेड्डी एस व हर्ष चौरसिया। **डॉ. एस.डी. निझावन गोल्ड मेडलः** निधि काम्बोज, सुनीता श्योराण, चेतन घयावली, सिम्मी, विनायक सावानूर व गरिमा दहिया। **डॉ. एस.आर. व्यास गोल्ड मेडलः** स्नेहलता, राखी, कमलप्रीत कौर, पंकज शर्मा, सोनम अंतिल, दीक्षा व बरखा राणा। **डॉ. एस.बी. फोगाट मेमोरियल गोल्ड मेडलः** मंजीत, एकता काम्बोज, रीटा, सुशील कुमार व रवि। **यूनिवर्सिटी लेवल गोल्ड मेडलः** सिमी, रीना रानी, शीनू, सत्याश्री जांगड़ा, मनीषा ओहलान, रूपिका चोपड़ा, एथिरा सी.आर, सोमाशेखर.वी. गुड्डानाखेरी, ममता फोगाट,

पूजा, एकता हुड्डा, शिखा भुक्कल, कोमल, पीटर वाबोई मवाउराह, गरिमा दहिया, अभिलाष, सोनम सिहाग, रामनिवास, शालिनी रूखाया, शालू राणा, अंकिता व विनोद कुमार।

राष्ट्रपति ने किया 'ए ग्लोरियस जर्नी' पुस्तक का विमोचन

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के 25वें दीक्षांत समारोह के अवसर पर भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मु ने इस विश्वविद्यालय की स्थापना से लेकर अब तक की विकास यात्रा पर प्रकाशित पुस्तक 'ए ग्लोरियस जर्नी' का भी विमोचन किया। इस अवसर पर हरियाणा के माननीय मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल, कृषि मंत्री श्री जे.पी. दलाल, शहरी निकाय मंत्री डॉ. कमल गुप्ता, कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व कुलसचिव डॉ. बलवान सिंह भी उपस्थित रहे।

देश के कृषि शोध संस्थानों में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय टॉप 10 में

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नाम एक और उपलब्धि जुड़ गई है। देशभर में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा वर्ष 2023 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में कृषि शोध संस्थानों में इस विश्वविद्यालय ने 10वां स्थान प्राप्त किया है। इसके साथ ही देश के टॉप 100 विश्वविद्यालयों की सूचि में भी चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय शामिल रहा। कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने इस उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि उनके अथक प्रयासों की बदौलत इस विश्वविद्यालय ने न केवल राष्ट्रीय स्तर पर बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है।

इस आधार पर तय होती है रैंकिंग

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी रैंकिंग के लिए शिक्षण संस्थानों को कई मापदंडों पर उनके प्रदर्शन के अनुसार अंतिम रूप दिया जाता है जिसमें सीखने और संसाधन, अनुसंधान और पेशेवर अभ्यास, आउटरीच और समावेशिता, स्नातक परिणाम और धारणा आदि शामिल हैं। यह रैंकिंग विषय डोमेन और संस्थान के प्रकार के आधार पर तैयार की जाती है।

महत्वपूर्ण उपलब्धियां हैं विश्वविद्यालय के नाम

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को इस उपलब्धि से पूर्व भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् द्वारा सर्वश्रेष्ठ संस्थान पुरस्कार व सरदार पटेल सर्वश्रेष्ठ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद पुरस्कार मिल चुके हैं।

इसी प्रकार यह विश्वविद्यालय मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से जारी अटल रैंकिंग ऑफ इंस्टीट्यूशन्स ऑन इनोवेशन एंड एचीवमेंटस (एआरआईईए) में कृषि विश्वविद्यालयों में देशभर में प्रथम स्थान हासिल कर चुका है। विश्वविद्यालय ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् द्वारा 2019 के लिए जारी आईसीएआर रैंकिंग में तीसरा स्थान पाया था और हाल ही में विश्वविद्यालय में स्थापित एग्री-बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर को स्व-उद्यमियों के विकास की दिशा में किए जा रहे श्रेष्ठ कार्यों के लिए नाबार्ड की ओर से सम्मानित किया गया है।

भारतीय संस्कृति व मानवीय प्रबंधन विषय पर संगोष्ठी आयोजित

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय सभागार में 'भारतीय संस्कृति व मानवीय प्रबंधन' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के तौर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज उपस्थित रहे, जबकि श्री श्री 1008 अखंड पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर (पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी) परम पूज्य डॉ. स्वामी शाश्वतानंद गिरी जी महाराज मुख्य वक्ता रहे।

डॉ. स्वामी शाश्वतानंद गिरी जी महाराज ने मुख्य संभाषण देते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में सत्य, धर्म और नीति का समावेश है। इसलिए यह सत्यपरक, नीतिपरक व धर्म परक है। काम, क्रोध, मद, लोभ, मोह व अंहकार हमारे विकार है, जिन पर हमें नियंत्रण पाने की आवश्यकता है। उन्होंने युवाओं को अपने भीतर नैतिक मूल्य विकसित करने और अपने माता-पिता व गुरुजनों का सानिध्य लेकर सकारात्मक सोच के साथ जीवन में आगे बढ़ने व राष्ट्रहित में अपना

योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने भारतीय संस्कृति व मानवीय प्रबंधन विषय पर विभिन्न पहलुओं को रोचक प्रसंगों के साथ विद्यार्थियों को समझाया।

मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि वेदांत, उपनिषद व श्रीमद् भागवत गीता के प्रकांड विद्वान स्वामी शाश्वतानंद गिरी जी महाराज के प्रवचन से विद्यार्थियों को बहुत लाभ होगा। उन्होंने कहा विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति व मानवीय प्रबंधन के बारे में ज्ञान होना जरूरी है जिससे वे समाज के उत्थान में सकारात्मक सोच के साथ अपना बेहतर योगदान दे सकेंगे। कार्यक्रम को कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा और स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता डॉ. के.डी. शर्मा ने भी संबोधित किया।

सुप्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक डॉ. रामधन सिंह को किया याद

सुप्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक राव बहादुर डॉ. रामधन सिंह की जयंती के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय के अनुवंशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग में स्थापित डॉ. रामधन सिंह चेयर द्वारा एक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसकी अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने की। उन्होंने डॉ. रामधन सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की और खाद्य उत्पादन में उनके अभूतपूर्व योगदान को याद किया।

कुलपति ने कहा कि डॉ. रामधन सिंह ऐसे वैज्ञानिक थे, जिनके द्वारा विकसित किस्में अविभाजित भारत में बहुत लोकप्रिय थीं। उन्होंने 1933-34 के दौरान सामान्य खेती के लिए गेहूं की सी-518 और सी-591 किस्में विकसित कीं। ये किस्में अपने व्यापक अनुकूलन, उपज और रोग प्रतिरोधक क्षमता के लिए प्रसिद्ध थीं। उन्होंने बताया कि इस महान वैज्ञानिक ने गेहूं, चावल, जौ तथा दलहनों की 25 किस्में इजाद करके भारत ही नही अपितु दुनिया में अपनी पहचान बनाई। उनके द्वारा तैयार की गई बासमती चावल की 370 किस्म व देशी गेहूं की सी-306 किस्म आज भी किसानों के बीच प्रसिद्ध हैं। उन्होंने कहा वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों को इस महान वैज्ञानिक से प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्हें कड़ी मेहनत व लगन के साथ कृषि की ज्वलंत समस्याओं को लेकर अनुसंधान कार्य करते हुए देश को खाद्यान्न तथा पोषण सुरक्षा प्रदान करने में योगदान देना चाहिए। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने स्वागत भाषण दिया और डॉ. रामधन सिंह के कृषि क्षेत्र में योगदान की विस्तृत जानकारी दी जबकि मौसम विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. मदन लाल खिचड़ ने कार्यक्रम में उपस्थित हुए सभी का धन्यवाद किया।

कृषि अधिकारी कार्यशाला की रिपोर्ट का हुआ विमोचन

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय कृषि अधिकारी कार्यशाला (खरीफ 2023) की कार्यवाही रिपोर्ट का विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने विमोचन किया। कार्यशाला में खरीफ फसलों की पैदावार बढ़ाने और उनको बीमारियों से बचाने संबंधी नए शोध व किसानों की समस्याओं पर कृषि अधिकारियों, कृषि वैज्ञानिकों व विस्तार शिक्षा विशेषज्ञों द्वारा गहन मंथन के साथ-साथ प्राकृतिक खेती व मोटा अनाज को किसानों के बीच लोकप्रिय बनाने पर बल दिया गया था। इसके साथ ही सात नई कृषि सिफारिशें भी पारित की गईं थी। कार्यशाला की यह कार्यवाही रिपोर्ट कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के संरक्षण व विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल के मार्गदर्शन में डॉ. सूबेसिंह, डॉ. सुरेश कुमार, डॉ. सुनील ढांडा व डॉ. अश्विनी कुमार द्वारा तैयार की गई है। इस रिपोर्ट की प्रतियां हरियाणा सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारियों को भेजी गई हैं ताकि नई सिफारिशों को किसानों तक पहुंचाकर आगामी खरीफ मौसम में लागू करवाया जा सके और फसलों की अच्छी पैदावार ली जा सके।

शोधार्थियों ने नास रेटिंग की उच्चतम श्रेणी को पार किया

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग में कार्यरत वैज्ञानिक डॉ. अनुश्री व पीएचडी छात्र संचित मंडल ने अनुसंधान प्रकाशन में नास रेटिंग की उच्चतम श्रेणी को पार किया है। ''लिगनिन मोडिफिकेशन एंड वैलोराइजेशन इन मेडिसिन, कॉस्मेटिक्स, एनवायरनमेंटल रीमिडिएशन एंड एग्रीकल्चर: ए रिव्यू'' शीर्षक से इनका लेख अत्याधिक प्रतिष्ठित जर्नल एनवायरनमेंटल केमिस्ट्री लेटर्स, नेशनल एकेडमी ऑफ एग्रीकल्चर साइंस रेटिंग 20 में प्रकाशित हुआ है। यह लेख बायोमास से लिगनिन निष्कर्षण, लिगनिन संशोधन तथा कृषि, चिकित्सा एवं पर्यावरण में संशोधित लिगनिन के अनुप्रयोग पर केंद्रित है। डॉ. अनुश्री व संचित मंडल की इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने उन्हे बधाई दी और कहा कि यह इस विश्वविद्यालय के लिए गर्व की बात है।

विश्वविद्यालय के वनस्पति उद्यान में नवग्रह वाटिका स्थापित

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वनस्पति उद्यान में विश्व पर्यावरण दिवस पर कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने नव स्थापित नवग्रह वाटिका का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने नवग्रह वाटिका में सूर्य सूचक आक का पौधा रोपित किया और उपस्थित जनों से प्रण लेकर अधिक से अधिक पौधारोपण करने के लिए प्रेरित किया।

कुलपति ने कहा कि बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण को रोकने व वर्षा ऋतु की घटती समयावधि को बढ़ाने में पेड़-पौधे अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा आज बढ़ते शहरीकरण व औद्योगिकीकरण के चलते पेड़-पौधों की अंधाधुंध कटाई की जा रही है, जिससे पर्यावरण का संतुलन बिगड़ता जा रहा है। इसके अलावा मिट्टी का कटाव, ग्लोबल वार्मिंग व ग्रीन हाउस इफेक्ट जैसी अनेक पर्यावरण संबंधित चुनौतियां पैदा होने लगी हैं, जिनसे निपटने के लिए हमें अधिक से अधिक पौधे लगाने की आवश्यकता है। इस दौरान मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार व वनस्पति उद्यान के इंचार्ज डॉ. सुभाष काजला ने

विभिन्न पौधों की विशेषताओं व उपयोगिता के बारे में जानकारी दी।

वेस्ट टू वेल्थ प्रदर्शनी का किया अवलोकन

इसके पश्चात कुलपति ने मौलिक विज्ञान व मानविकी महाविद्यालय के सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग द्वारा 'वेस्ट टू वेल्थ' विषय पर आयोजित जागरूकता अभियान कार्यक्रम के दौरान पोस्टर व स्लोग्न लेखन प्रतियोगिताओं में विजेताओं के पोस्टरों व स्लोग्नों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

उन्होंने विजेताओं को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने लोगों से वेस्ट मेटिरियल को फेंकने की बजाय घरेलू कार्यों में इस्तेमाल में लाने का आह्वान किया ताकि इससे पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाया जा सके।

हकृवि के 36 विद्यार्थियों को मिला प्लेसमेंट

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय के अंतर्गत काउंसिलिंग एवं प्लेसमेंट सेल द्वारा कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय के कुल 36 विद्यार्थियों का चयन हुआ।

यह प्लेसमेंट ड्राइव अलग-अलग समय में आयोजित किए गए थे जिनमें एचडीएफसी बैंक, एलटी फूड्स लिमिटेड, स्टार एग्री सीड्स प्राइवेट लिमिटेड और इतालवी कंपनी मैशियो गैसपारडो की भारतीय शाखा द्वारा कठिन चयन प्रक्रिया में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों का विभिन्न पदों के लिए चयन किया गया। एचडीएफसी बैंक में आर एम रिटेल एग्री पद पर चयनित विद्यार्थियों में केवल एमबीए एग्री बिजनेस के 25 विद्यार्थी शामिल हैं। इसी प्रकार एक विद्यार्थी का एलटी फूड्स लिमिटेड, छः

विद्यार्थियों का स्टार एग्री सीड्स और पांच विद्यार्थियों का मैशियो गैसपारडो में चयन हुआ है। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा के अनुसार इन चयनित विद्यार्थियों को क्रमशः चार लाख रूपये, आठ लाख रूपये, चार से पांच लाख रूपये और तीन से चार लाख रूपये का वार्षिक पैकेज दिया गया है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने चयनित सभी विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा हकृवि के विद्यार्थी अपनी मेहनत और ईमानदारी की बदौलत देश में ही नहीं अपितु विदेशों में भी उच्च शिक्षा व रोजगार के अवसर हासिल कर रहें है जो इस विश्वविद्यालय के लिए गर्व का विषय है।

डॉ. सुरेंद्र धनखड़ ने विश्व मौसम विज्ञान संगठन की कार्यशाला में एशिया महाद्वीप का प्रतिनिधित्व किया

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के प्रधान वैज्ञानिक एवं कृषि मौसम विज्ञान विभाग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. सुरेंद्र सिंह धनखड़ ने विश्व मौसम विज्ञान संगठन के निमंत्रण पर स्लोवेनिया की राजधानी ल्युब्ल्याना में आयोजित वैश्विक कृषि सूखा वर्गीकरण प्रणाली विषय पर लेखन कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के तौर पर भाग लिया। इस कार्यशाला में उन्होंने एशिया महाद्वीप का प्रतिनिधित्व करते हुए कृषि मौसम विज्ञान से संबंधित कृषि सूखा निगरानी प्रणाली, दृष्टिकोण, प्रभावों, संभावित कृषि क्षति और

विश्व मौसम विज्ञान संगठन के विभिन्न क्षेत्रों में तैयारियों के मूल्यांकन में अपना योगदान दिया।

डॉ. धनखड़ को हाल ही में जेनेवा (स्विट्जरलैंड) में स्थित विश्व मौसम विज्ञान संगठन के नव सुधार आयोग आधारित कृषि की स्थायी समिति में कृषि मौसम विज्ञान विशेषज्ञ सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। उनका कार्यकाल वर्ष 2024 तक होगा। इस आयोग में चयन के लिए उनके नाम का भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा अनुमोदन किया गया था। इस आयोग में शामिल किए गए डॉ. धनखड़ देशभर के कृषि विश्वविद्यालयों से एकमात्र कृषि मौसम वैज्ञानिक हैं।

डॉ. धनखड़ की इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा यह इस विश्वविद्यालय के लिए हर्ष व गर्व की बात है।

विद्यार्थियों के दल ने हम्पटा पास में की ट्रेकिंग

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के 25 विद्यार्थियों के दल ने हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में स्थित हम्पटा पास में सफलतापूर्वक ट्रेकिंग की। विश्वविद्यालय के पर्वतारोहण क्लब द्वारा आयोजित किए गए इस पर्वतारोहण अभियान में 15 छात्र व 10 छात्राएं शामिल हुए जिन्होंने 14 हजार फुट की ऊंचाई पर हिमालय में स्थित रोमांच से भरे इस ट्रेक का अनुभव प्राप्त किया। दल को कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने झंडी दिखाकर रवाना किया।

विद्यार्थियों का यह दल मनाली से पर्वतारोहण शुरू करते हुए जोबरा, छीखा, ज्वारा बालू का घेरा, हम्पटा पास, शिया गोरु और छत्रु तक गया। वहां उन्होंने किसानों व

आम लोगों से मुलाकात की और कृषि व उनकी जीवन शैली का अध्ययन किया। इसके अलावा डॉ. संजय भ्यान और डॉ. सुभाष थोरी के नेतृत्व में इस दल ने सुदूर घाटी में रहने वाले लोगों के रहन-सहन, विभिन्न औषधीय पौधों, पर्यावरण सहित अन्य विषयों के बारे में गहनता से जानकारी प्राप्त की। पर्वतारोहण क्लब के अध्यक्ष डॉ. मुकेश कुमार के अनुसार खेल के क्षेत्र में हरियाणा प्रदेश एक अलग पहचान रखता है। अब माउंटेन स्पोर्टस में भी इस राज्य का नाम उभर रहा है। इसी कड़ी में विद्यार्थियों को माउंटेन स्पोर्टस में प्रोत्साहित करने के लिए विश्वविद्यालय की ओर से सराहनीय कदम उठाया गया है।

'नई शिक्षा नीति भारत केंद्रित व कौशल विकास करने वाली'

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में भविष्य के स्वर्णिम भारत के परिपेक्ष्य में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का महत्व विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षण प्रकल्प तथा मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय द्वारा आयोजित की गई

जारी...

इस संगोष्ठी में मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज रहे, जबकि मुख्य वक्ता विद्या भारती, नई दिल्ली के संगठन मंत्री रवि कुमार रहे।

मुख्य वक्ता रवि कुमार ने कहा कि यद्यपि समय-समय पर शिक्षा प्रणाली को सुधारने के लिए विभिन्न प्रकार की नीतियां बनाई गई लेकिन उनमें से कुछ ही नीतियां धरातल पर लागू हो सकी। उन्होंने कहा नई शिक्षा नीति भारत केंद्रित, सर्वांगीण विकास करने वाली, समग्र शिक्षा को समाहित करने वाली, कौशल विकास करने वाली, रोजगार सृजन करने वाली व ज्ञान आधारित समाज विकसित करने वाली है। यह 21वीं शताब्दी की ऐसी पहली शिक्षा नीति है, जिसका लक्ष्य हमारे देश के पारंपरिक ज्ञान व सांस्कृतिक मूल्यों को बरकरार रखते हुए तेजी से विकास के लिए शिक्षा, ज्ञान, तकनीकी व कौशल संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करना है। उन्होंने नई शिक्षा नीति से भारतीय कृषि क्षेत्र में आने वाले सकारात्मक बदलावों के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि कृषि के क्षेत्र में हमें आधुनिक तकनीक का

इस्तेमाल करते हुए कृषि क्षेत्र में सतत् विकास व अधिक से अधिक रोजगार सृजित करने होंगे और युवाओं को शिक्षा के साथ अधिक से अधिक कौशल ज्ञान के माध्यम से स्वरोजगार की तरफ प्रेरित करना होगा।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि नई शिक्षा नीति में भाषाई बाध्यता को दूर करने का प्रयास किया गया है क्योंकि जितनी सरलता व सहजता के साथ हम अपनी बात को क्षेत्रीय भाषा में समझा सकते हैं उतना दूसरी भाषा में नहीं। उन्होंने कहा यदि हमें शिक्षा नीति को आगे तक लेकर जाना है तो हमें नवीनतम तकनीक का इस्तेमाल करना होगा व विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम के साथ-साथ कौशल ज्ञान भी देना होगा। इसी कड़ी में हकृवि एग्री-बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर के माध्यम से ग्रामीण युवाओं को कृषि से संबंधित स्वरोजगार स्थापित करने में प्रयासरत है ताकि हमारे विद्यार्थी रोजगार मांगने की बजाय रोजगार देने वाले बने। संगोष्ठी को स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता डॉ. केडी शर्मा व मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने भी संबोधित किया।

हकृवि की 11 छात्राओं ने अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों में प्राप्त किया प्रशिक्षण

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की 11 छात्राओं ने थाईलैंड में एशियन प्रौद्योगिकी संस्थान, वियतनाम के कैनथो विश्वविद्यालय व चैक रिपब्लिक पराग की चैक यूनिवर्सिटी ऑफ लाइफ सांइसेज में दो माह अवधि का प्रशिक्षण प्राप्त किया। इन छात्राओं ने प्रशिक्षणों के समापन उपरांत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज से भेंट की और उन्हे प्रशिक्षणों की कार्यप्रणाली से लेकर उपलब्धियों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। कुलपति ने इन प्रशिक्षणों को सफलतापूर्वक पूरा करने पर इन छात्राओं की प्रशंसा की और उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने इन छात्राओं से प्रशिक्षण दौरान प्राप्त किए आधुनिक तकनीकी व नवीनतम ज्ञान को सहपाठियों के साथ साझा करने के साथ सामुदायिक विकास में उपयोग करने का आह्वान किया।

सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजु महता के अनुसार थाईलैंड में

एशियन प्रौद्योगिकी संस्थान में आयोजित प्रशिक्षण में छात्रा भव्या संधू, शीतल व शिल्पा ने कृषि और संबंधित क्षेत्रों की भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए तकनीकी नवाचार विषय पर अध्ययन किया जिसमें छात्राओं ने जलवायु, स्मार्ट कृषि, ड्रोन तकनीक, सटीक खेती, कृषि व्यवसाय प्रबंधन, सांख्यिकी के अनुप्रयोग, मूल्य श्रृंखला प्रबंधन, मछली पालन व खाद्य सुरक्षा विषय में गहनता से जानकारी प्राप्त की। इसी प्रकार वियतनाम के कैनथो विश्वविद्यालय में छात्रा साक्षी, आस्था, गरिमा व प्रीति ने खेती में प्रयोग होने वाली विभिन्न उन्नत तकनीकों, स्मार्ट एग्रीकल्चर, नैनो तकनीक व ड्रोन खेती के बारे में व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त किया, जबकि चैक रिपब्लिक पराग में चैक यूनिवर्सिटी ऑफ लाइफ सांइसेज में प्रशिक्षण के दौरान छात्रा दीक्षा बामल, लवली व वैशाली ने खाद्य प्रसंस्करण की नवीनतम तकनीकों, ग्रीन हाउस, सोलर पैनल व पेय पदार्थ उत्पादन विषयों में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की।

9वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर विश्वविद्यालय में भव्य कार्यक्रम का आयोजन

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 9वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस भव्य रूप से मनाया गया। कार्यक्रम में हकृवि सहित भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के अधिकारियों, शिक्षकों और विद्यार्थियों ने भारी संख्या में उपस्थित होकर विभिन्न योग क्रियाओं का अभ्यास किया। कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने इस कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।

कुलपति ने अपने संबोधन में योग का व्यक्ति के जीवन में महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि योग से न केवल शारीरिक व मानसिक अपितु अध्यात्मिक विकास भी होता है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को एकाग्रता व निरंतरता के साथ अपनी दैनिक दिनचर्या में योग को अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा पुरातन काल में बीमारियों का इलाज करने के लिए चिकित्सालय जैसी सुविधाएं नहीं थी, उस समय योग ही सबसे बड़ा माध्यम था, जिससे हर बीमारी का इलाज किया जाता था। आज भी बहुत से लोग योग के द्वारा स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने जीवन को आनंदित बनाने के लिए सकारात्मक सोच, एकाग्रता व निरंतरता के साथ योग करने का आह्वान किया। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय और योगा कल्ब द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था। योग अनुदेशक रोहताश व सुमन सहारण ने प्रतिभागियों को आयुष मंत्रालय के प्रोटोकॉल के अनुसार विभिन्न योग क्रियाओं तथा प्राणायाम का अभ्यास करवाया। सह छात्र कल्याण निदेशक डॉ. संजय एलावादी ने योग को दिनचर्या में अपनाने की शपथ दिलाई। कार्यक्रम की शुरुआत में सह-निदेशक छात्र कल्याण (खेल) डॉ. बलजीत गिरधर ने सभी का स्वागत किया, जबकि हकृवि योगा कल्ब के अध्यक्ष एवं मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की पुण्यतिथि पर दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में भूतपूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की 36वीं पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए और विश्वविद्यालय समुदाय से इस महान नेता द्वारा दिखाए मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया।

कुलपति ने कहा कि चौधरी चरण सिंह विलक्षण प्रतिभाओं के धनी थे। वे एक ईमानदार, महान विचारक तथा किसान व कमेरा वर्ग के सच्चे हितैषी थे। ग्रामीण परिवेश में एक गरीब परिवार में पले-बढ़े होने के कारण वे किसानों व गरीब लोगों की समस्याओं को भली प्रकार समझते थे इसलिए वे जीवनपर्यन्त किसानों व कमेरा वर्ग के हित में कार्य करते हुए उनके उत्थान के लिए संघर्षशील रहे। उन्होंने

कहा पूर्व प्रधानमंत्री का मानना था कि देश के विकास का रास्ता गांवों व खेत खलिहानों से होकर गुजरता है। वे कहते थे कि यदि किसानों की आर्थिक स्थिति ठीक होगी तो ग्रामीण क्षेत्र की क्रय शक्ति बढ़ेगी जिससे देश की उन्नति होगी। इसलिए उन्होंने किसानों के जीवन को बेहतर बनाने का हर संभव प्रयास किया। उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री, केन्द्रीय मंत्री व प्रधानमंत्री रहते हुए उन्होंने देश के किसानों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए नीतियों का निर्माण किया और उन्हे क्रियान्वित किया। प्रो. काम्बोज ने कहा यदि हम चौधरी चरण सिंह द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलकर ईमानदारी व निष्ठापूर्वक कार्य करते हुए देश, प्रदेश तथा गरीब किसानों की प्रगति में अपना योगदान देते हैं तो यह इस महान नेता के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

इस अवसर पर उपस्थित विश्वविद्यालय के विभिन्न कालेजों के अधिष्ठाताओं, निदेशकों, विभागाध्यक्षों, वैज्ञानिकों व कर्मचारियों ने भी पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

दीक्षांत समारोह की झलकियां

फीडबैक

मीडिया एडवाइज़र
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार- 125 004
दूरभाष : 01662-284330, 289307
ई-मेल : mediaadvisorhau@gmail.com / prohaunews@gmail.com

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय
हिसार- 125 004 (हरियाणा), भारत
(1970 की संसदीय अधिनियम संख्या 16 द्वारा संस्थापित)
दूरभाष : 01662-237720-21, 289502-10
वेबसाईट : www.hau.ac.in

Published by Media Advisor on behalf of CCS Haryana Agricultural University, Hisar. Printed at : Dorex Offset, Hisar Mob. 98960-11117